हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 17 फरवरी 2025

11 बोध दिवस के उपलक्ष्य पर आध्यात्मिक प्रदर्शनी...

12 आध्यात्मिक संस्था राधास्वामी सत्संग ...

खबर संक्षेप

भिवानी। 21.1 किलोमीटर की हॉफ मैराथन को पूर्ण करने वाले पूर्व सैनिक मा. धर्मपाल शर्मा को सम्मानित करते।

मा. धर्मपाल शर्मा ने हॉफ मैराथन में लिया हिस्सा

भिवानी। एमके अस्पताल व श्रीहरि हैल्थ एंड एजुकेशन फाउंडेशन के संयोजन में रविवार को शहर में हॉफ मैराथन का आयोजन करवाया गया। जिसमें 69 वर्षीय पूर्व सैनिक मा. धर्मपाल शर्मा ने 21.1 किलोमीटर हॉफ मैराथन में भाग लिया तथा 65 से अधिक आयु वर्ग में 21.1 किलोमीटर की हॉफ मैराथन को बड़ी ही बाखूबी से पूर्ण किया। उन्हें आयोजकों द्वारा सम्मानित भी किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य व खेल की भावना को बढ़ावा देना रहा। पूर्व सैनिक मा. धर्मपाल शर्मा ने कहा कि युवाओं को फिटनेस व स्वास्थ्य को बढ़ाव देकर उन्हे खेलों की तरफ आकर्षित करना है। जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिए वे समय-समय पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते रहते है तथा युवाओं को यह बताने का प्रयास करते है कि खेलों के लिए उम्र सीमा मायने नहीं रखती, उसके लिए जज्बा व जुनून होना चाहिए। शर्मा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे वे शिक्षा के साथ-साथ खेलों को जरूर अपनाएं, ताकि वे ना केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक तौर पर भी स्वस्थ रह सकें।

निकाय चुनाव: नामांकन पत्र दाखिल करने का आज अंतिम दिन

कोई रूठों को मनाने तो कोई संतों की शरण में पहुंचा, प्रचार हुआ तेज

दीपक कुमार डुमड़ा ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा नगर पालिका चुनावों को लेकर आज अंतिम दिन दर्जनों नामांकन पत्र दाखिल होने की उम्मीद है। क्योंकि शनिवार तक अनेक चेयरमैन व पार्षद का चुनाव लड़ने वाले इच्छुक दावेदारों के कागजात तैयार नहीं हो पाए थे। हालांकि विभाग की टीम पूरी तरह से मदद करने के लिए पूरी तरह से कार्यालय में मौजूद है। नामांकन पत्र को लेकर शनिवार को 17 नामांकन पत्र दाखिल हुए। हालांकि दो नामांकन शुक्रवार को दाखिल हुए थे। नामांकन दाखिल हुए जिसमें चेयरमैन व पार्षद दोनों शामिल हैं। वहीं भाजपा नेता सुरेश ओड के भाई विष्णु ओड, अशोक वाल्मीकि ने भी पत्रकार दीपक कुमार डुमड़ा के वार्ड 9 से अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

प्रधान पद के लिए अजीत कुमार, रमेश कुमार, टींकू व पार्षद के लिए वार्ड 1 से तीन, वार्ड 3 से एक, वार्ड 6 से दो, वार्ड 9 से 3 विष्णु ओड, अशोक वाल्मीकि, वार्ड 11 से 1 वार्ड 15 से दो, वार्ड 16 से दो नामांकन पत्र दाखिल हो चुके हैं। सोमवार को दर्जनों नामांकन पत्र दाखिल होने की उम्मीद है।

भाजपा ने लगाया सुंदर अत्री पर दावः बवानी खेड़ा नपा इतिहास में पहली पर पार्षद व चेयरमैनी के लिए अलग अलग चुनाव हो रहे हैं। हालांकि ये भाईचारे छोटे चुनाव हैं लेकिन राजनीति दावेदारों ने अपना दमखम दिखाते हुए इन चुनावों को बड़ा बना दिया है और कहीं न कहीं इससे भाईचारा भी प्रभावित हो सकता है। लेकिन दादूनगरी के बुद्धिजीवी लोग इस पर पूरी तरह से भाइचारा बनाने रखने का प्रयास करेंगे। एक तरफ जहां भाजपा ने पूर्व में नपा चेयरपर्सन प्रतिनिधि रहे सुंदर अत्री पर दाव लगाया है। पंकज महता, सतपाल शर्मा, तरूण राठौड, अजीत वाल्मीकि, मोहित यादव, उमेश भारद्वाज, दिलबाग भाकर, रमेश काजल को भी अपनी जीत का भरोसा है। सभी उम्मीदवारों ने प्रचार शुरू कर दिया है। सभी मतदाताओं को लुभाने का अपने अपने स्तर पर हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

बवानी खेड़ा चेयरमैन के लिए भाजपा की तरफ से सुंदर अत्री पर दाव लगाने पश्चात वोटर असमंजस्य की स्थित में हैं। जहां सुंदर अत्री की जीत-हार में सतपाल शर्मा, उमेश भारद्वाज बड़ा महत्व रखते हैं वहीं बीसी श्रेणी में मोहित यादव, राजपूत समाज में तरूण राठौड, वाल्मीकि समाज में अजीत वाल्मीक, पंजाबी समाज में पंकज महता आदि शामिल है। वहीं शहर की लगभग 17 हजार के करीबन वोटर में भारी असमंजस्य की स्थिति में हैं कि वे किस तरफ झुके।

भाजपा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के लिए एक तरफ पार्टी तो दूसरी और समुदाय के बंधन से बाहर निकलना भी मुश्किल हो रहा है कि वे कौन सा धर्म निभाएं। वोटर गहन चिंतन करेगा की कौन सा उम्मीदवार उनकी उम्मीदों पर खरा उतर सकता है और कौन रूढ़ रूख अपनाता है।

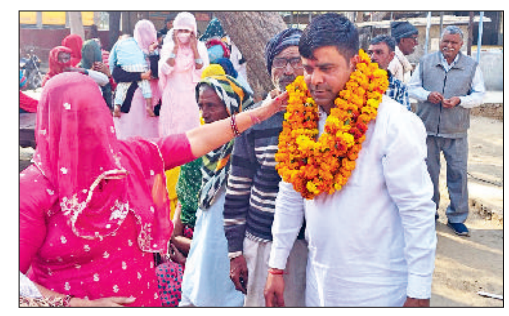

बवानीखेड़ा। मंदिर में पत्नी के साथ पूजा अर्चना करते सुंदर अत्री और प्रचार के दौरान लोगों का आशीर्वाद लेते अजीत वाल्मीकि। फोटो : हरिभूमि

- चेयरमैनी के लिए भाजपा ने लगाया सुंदर अत्री पर दांव, पंकज महता, सतपाल शर्मा, तरूण राठौड, अजीत वाल्मीकि, मोहित यादव, उमेश भारद्वाज, दिलबाग भाकर, रमेश काजल को जीत की उम्मीद है

धर्मसंकट में विधायक

बवानी खेड़ा विधायक कपूर वाल्मीकि शहर से ताल्लुक रखते हैं। जहां बताया जाता है कि उनको टिकट दिलाने में भाजपा चेयरमैन प्रत्याशी का अहम रोल था तो वहीं पंकज महता से भी उनके रिश्ते किसी से छिपे नहीं है। वहीं अन्य समाज के लोगों ने भी चुनावों में विधायक का भरपूर सहयोग किया। यदि वे पार्टी के आदेश से सुंदर अत्री का सहयोग करते हैं तो दूसरे प्रत्याशी व समाज के लोगों का रवैया उनके प्रति रूढ़ हो सकता है लेकिन पार्टी प्रत्याशी के लिए मतदान की अपील करना उनके लिए जरूरी भी होगा। इस प्रकार उनके लिए धर्मसंकट की स्थिति बन जाएगी। बुद्धिजीवियों की मानें तो पार्टियों को इन चुनावों में न आकर सभी उम्मीदवारों को स्वयं के दम पर चुनाव लड़ने देने दिया जाता तो उचित रहता। लेकिन कौन विजयी होगा ये भविष्य के गर्भ में है। लेकिन चुनाव शांतिप्रिय तरीके से हो ऐसी सभी ने एक दूसरी से अपील की।

भिवानी। मोर माजरा में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते भूविज्ञान विभाग मंत्री कृष्णलाल पंवार। फाइल फोटो।

शारीरिक फिटनेस और मानसिक दृढ़ता को बढ़ावा देती है कबड्डी : सुधीर

भिवानी। कबड्डी एक शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण खेल है, जो खिलाड़ियों के शारीरिक फिटनेस और मानसिक दृढ़ता को बढ़ाता है। वही दूसरी तरफ महिला कबड्डी प्रतियोगिता न केवल खेल जगत में, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह बात किसान युवा क्लब के संस्थापक सुधीर तंवर व सुरेंद्र वर्मा ने एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं एमेच्योर कबड्डी हरियाणा द्वारा किसान युवा क्लब के सहयोग से आर्य कन्या गुरूकुल मोर माजरा में आयोजित चार दिवसीय 71वीं सीनियर नेशनल महिला कबड्डी प्रतियोगिता में बतौर अतिथि संबोधित करते हुए कही।

18 को होगा समापन

इस दौरान उन्होंने प्रतियोगिता में पहुंची खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया । एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं एमेच्योर कबड्डी हरियाणा द्वारा किसान युवा क्लब के सहयोग से आर्य कन्या गुरूकुल मोर माजरा में 15 से 18 फरवरी तक चार दिवसीय 71वीं सीनियर नेशनल महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जा रहा है। जिसका शुभारंभ विकास एवं पंचायत, खनन व भूविज्ञान विभाग मंत्री कृष्णलाल पंवार ने बतौर मुख्यअतिथि पहुंचकर किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर किसान युवा क्लब के संस्थापक सुधीर तंवर व सुरेंद्र वर्मा भी विशेष तौर पर पहुंचे थे।

मॉडल जिला बनाओ संगठन ने लगाया रोजगार मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- मेले में 38 युवाओं को मिला रोजगार
- गीतांजलि अस्पताल के डॉक्टरों ने 378 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन एवं ग्राम पंचायत बौंद कलां, बौंद खुर्द व रणकोली के संयुक्त तत्वावधान में राजा भोज के सम्मान में निःशुल्क चिकित्सा शिविर व रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 1001 जोड़ों के विवाह हेतु पंजीकरण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के पुत्र मोहित चौधरी ने शिरकत की और विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. किरण कलकल व बलवान सिंह साहू मौजूद रहे। शिविर में ऑस्कर, रोग निदान एवं गीतांजलि अस्पताल के 20 वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम ने 378 लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की। जिसमें विटामिन-डी, खून की जांच, ईसीजी, शुगर, बीपी आदि टेस्ट किए गए।

रोजगार मेले में 381 पंजीकृत उम्मीदवारों में 38 युवाओं को नौकरी के लिए चयनित किया गया। इसके अतिरिक्त दादरी क्षेत्र में पहली बार विवाह हेतु पंजीकरण करने के लिए विशेष मुहिम शुरू की गई, जिसमें 1078 युवक-युवतियों ने अपना पंजीकरण करवाया। इस मुहिम का उद्देश्य आगामी दिनों में एक बड़े सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन करना है। संगठन द्वारा दादरी, बाढ़ड़ा, भिवानी एवं आसपास के क्षेत्रों में विवाह पंजीकरण हेतु विशेष कैंप लगाए जाएंगे, जो पूर्णतः निःशुल्क होंगे। मुख्य अतिथि मोहित चौधरी ने अपने संबोधन में संगठन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह मुहिम जनकल्याणकारी उद्देश्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अनिल साहू ने शिविर का सफल संचालन किया और कहा कि संगठन पूर्व में भी जनहित के कार्यों में सक्रिय रहा है। विवाह पंजीकरण की नई पहल से युवक-युवतियों को विशेष लाभ मिलेगा और यह शिविर भी अन्य जनहित कार्यों की तरह सफल रहेगा।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री राष्ट्रदीप परमार, मंडल अध्यक्ष सुरेश परमार, आईटी प्रमुख संजय बंसल, सतपाल साहब, मैनपाल साहब, गोलू रानीला, पवन सैन, नरेंद्र पिचोपा, सहित इत्यादि उपस्थित थे।

सीवरेज ब्लॉकेज, ओवरफ्लो व दूषित पेयजल सप्लाई को लेकर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बावड़ी गेट पर करीबन एक सप्ताह से सीवरेज ब्लॉकेज, ओवरफ्लो व दूषित पेयजल सप्लाई की समस्या गहराई हुई है। जिसके चलते नागरिक खासे परेशान है। हद की बात तो यह है कि संबंधित विभाग द्वारा इस समस्या का स्थाई समाधान करने की बजाए मात्र लीपापोती की जा रही है, जिसके चलते नागरिकों की समस्याएं दिन-प्रतिदिन गुणात्मक रूप से बढ़ रही है।

इसी के विरोध में रविवार को स्थानीय क्षेत्रवासियों ने एक बार फिर से बावड़ी गेट पर नारेबाजी कर रोष जताया तथा अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि एक-दो दिन में इस समसया का स्थाई समाधान नहीं किया गया तो वे धरना-प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे।

आधा-आधा फुट तक हो जाता है जमा गंदा पानी : भगवानदास कालिया, कृष्ण डाबला, अनिल पेंटर, अनिल डाबला, सुरेंद्र इंदौरा, माईलाल, रामा डाबला, जवसंत डाबला, राजू वाल्मीकि, राजू पचेरवाल, सतबीर डाबला, धर्मबीर, कम्मू सहित अन्य क्षेत्रवासियों ने कहा कि बावड़ी गेट पर सीवरेज ब्लॉकेज की ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई। जिसके समाधान की मांग को लेकर कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को सूचित करवाया गया। लेकिन अधिकारी इसका स्थायी समाधान करने की बजाए लीपापोती कर केवल ऊपरी कचरा बाहर निकाल देते है। लेकिन सीवरेज की सफाई पूरी तरह से नहीं करवाते। जिसके चलते यह समस्या ज्यो की त्यो बनी हुई है। उन्होंने बताया कि जब सीवरेज की सफाई पूरी तरह से नहीं करवाई जाएगी, इस समस्या का स्थाई समाधान हो ही नहीं सकता। इस क्षेत्र में दूषित पेयजल की सप्लाई भी की जा रही है, जिसके समाधान की तरफ भी अधिकारियों का ध्यान नहीं है।

सफाई के नाम पर खानापूर्तिःकालिया

कालिया ने कहा कि अधिकारियों की यही लापरवाही व लीपापोती वाली कार्यप्रणाली के चलते ना केवल दुकानदारों, बल्कि राहगीरों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि यहां पर हमेशा सीवरेज का गंदा पानी जमा रहता है। कालिया ने कहा कि यह मार्ग शहर मुख्य मार्गो में एक है, जिस पर स्कूल व मंदिर भी है। लेकिन इसके बावजूद भी अधिकारी यहां पर सीवरेज ब्लॉकेज व ओवरफ्लो की समस्या का स्थानीय समाधान नहीं कर रहे, जिसके चलते नागरिकों में रोष बना हुआ है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि एक-दो दिन में इस समस्या का स्थाई समाधान नहीं किया गया तो वे धरना-प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे।

भिवानी। बदहाल सीवरेज व्यवस्था को लेकर नारेबाजी करते क्षेत्र के लोग और सीवरेज ब्लाकेज होने की वजह से क्षेत्र की सड़कों पर जमा सीवर का पानी।

महामंडलेश्वर स्वामी दिनेशानंद पहुंचे भिवानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन द्वारा नवनियुक्त भिवानी के पूर्व विधायक ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी भगवान देव परमहंस के शिष्य महंत स्वामी दिनेशानंद रविवार को हांसी गेट स्थित चित्रकूट सत्संग भवन में पहुंचे, जहां विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनका अभिनंदन किया।

महामंडलेश्वर स्वामी दिनेशानंद महाराज के अभिनंदन समारोह में स्वामी सूर्यानंद सरस्वती, यज्ञ सम्राट श्रीश्री 1008 हरिओम जी महाराज, महंत राजनाथ, युगल किशोर महाराज, ब्रह्मकुमारी निर्मला बहन विशेष तौर पर पहुंचे। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर उपायुक्त महाबीर कौशिक ने शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत मुकेश रहेजा, डा. मुरलीधर शास्त्री व मदन शर्मा ने किया। अभिनंदन समारोह बार एसोसिएशन भिवानी, पंजाबी सभा, मैडिकल एसोसिएशन, रामकुंज, जीयोगीता, श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर, ब्रह्मचारी आश्रम, ब्राह्मण सभा, भारत विकास परिषद, बजरंग दल, विश्व हिंदु परिषद, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, गौशाला ट्रस्ट, ब्राह्मण विकास परिषद, सांस्कृतिक मंच, समाजसेवी शिवरत्न गुप्ता, आदर्श कॉलेज, नवदुर्गा, पंजाबी जागृति मंच, संस्कार भारती, श्याम प्राचीन मंदिर, व्यापार मंडल, चाणक्य मंच भिवानी, विप्र फाउंडेशन जिला भिवानी, आदर्श ब्राह्मण महासभा भिवानी, लोकसेवा पंचायत समिति के प्रतिनिधियों ने महामंडलेश्वर स्वामी दिनेशानंद महाराज का अभिनंदन किया। उपायुक्त महाबीर कौशिक ने कहा कि महामंडलेश्वर किसी सन्यासी परंपरा में एक उच्च पदवी होती है, जो विशेष रूप से अखाड़ों में आध्यात्मिक, धार्मिक और संगठनात्मक नेतृत्व का प्रतीक होती है।

दैनिक यात्री संघ ने भिवानी सिटी स्टेशन मास्टर को सौंपा मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- हिसार एक्सप्रेस व किसान एक्सप्रेस को भिवानी जंक्शन से चलाने की मांग की

शहर में हिसार एक्सप्रेस और किसान एक्सप्रेस को जब से भिवानी सिटी से संचालित किया गया तब से भिवानी और आसपास के गांव के लोगों में बहुत ज्यादा रोष है जिसकी वजह से दैनिक यात्री संघ के यात्री चौधरी धर्मवीर जी और राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के पास भी जा चुके हैं लगातार 1 महीने से कवायद में जुटे हुए हैं कि इन ट्रेनों को वापस भिवानी जंक्शन से संचालित जाए लेकिन अभी तक इनमें से किसी ने भी बात की सूध नहीं ली है क्योंकि सबको पता है कि भिवानी जंक्शन से 90 से 95 प्रतिशत लोग बिना किसी डर के यात्रा करते हैं लेकिन जब से भिवानी सिटी से संचालित किया गया है तो वहां पर तो चोरी की घटनाएं बहुत ज्यादा हो रही है कई बार हेलमेट भी चोरी करके ले जाते हैं रात 9 बजे के बाद कोई ऑटो नहीं मिलता है वहां का जो एरिया है बहुत ही सुनसान पड़ा हुआ है और वैसे देखे तो वह भिवानी से 5 किलोमीटर दूर है दैनिक यात्री संघ के जो यात्री है वह लगातार कोशिश से कर रहे हैं मंत्रियों के पास जा रहे हैं लेकिन अभी तक किसी ने भी इस बात को सूध में नहीं लिया ।

रविवार 16 फरवरी को सांसद धर्मवीर सिंह बातचीत की गई जिसमें उन्होंने एक हफ्ते का टाइम मांगा है यात्री संघ ने यह भी बोला कि अगर धर्मवीर जी नहीं करवा पाते हैं तो उसके बाद वह राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के पास भी जाएंगे क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि चौधरी धर्मवीर सिंह या किरण चौधरी दोनों इन ट्रेनों को वापस भिवानी जंक्शन से करवा सकते हैं। हिसार एक्सप्रेस पहले सुबह 6:55 पर भिवानी जंक्शन से चलती थी लेकिन उसका टाइम बदलकर अब भिवानी सिटी सुबह 6 कर दिया गया जिसकी वजह से हजारों यात्री मुसीबत का सामना कर रहे हैं दूसरी तरफ किसान एक्सप्रेस सुबह 9:20 पर भिवानी जंक्शन से चलती थी लेकिन उसका टाइम बदलकर भी भिवानी सिटी से सुबह 9 कर दिया गया जिसकी वजह से हजारों लोग मुसीबत का सामना करते हैं । हम रेलवे से यह प्रार्थना करते की ट्रेनों को दोबारा जंक्शन से चलाया जाए नहीं तो फिर हम आने वाले समय में बहुत बड़ा विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान उन्होंने भिवानी सिटी स्टेशन मास्टर को ज्ञापन भी सौंपा। इस अवसर पर दैनिक यात्री संघ में पंकज दुहन ढाणी मांढू, संदीप शास्त्री भिवानी, सोनू मंढाणा, अजय मान भिवानी, संतोष कुमार अग्रवाल भिवानी, विकास सैनी भिवानी, पंडित तुलसीराम बापोड़ा, नवीन बजिना, दीपक कोहाड़, कृष्ण लोहानी आदि उपस्थित थे।

कंवर साहेब महाराज ने प्रवचनों से किया निहाल

संत का अर्थ सत्य,जो कभी बदलता नहीं: कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सन्तो का प्रथम ध्येय समाज का कल्याण है। सन्त परमात्मा का ही स्वरूप हैं। परमात्मा की भांति सन्त भी किसी से भेदभाव नहीं करते। सन्त का अर्थ सत्य है और सत्य कभी बदलता नहीं है। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कँवर साहेब महाराज ने दिनोद गांव में स्थित राधास्वामी सत्संग दिनोद के मुख्यालय में साध संगत के समक्ष फरमाये। हुजूर महाराज ने कहा कि अपनी शिक्षा और दीक्षा अच्छी रखो।

शिक्षा आपको सभ्यता और आदर्शों से रूबरू कराती है और दीक्षा आपको परमात्मा से रूबरू कराती है। इसलिए शिक्षा अच्छे गुरु से लो और दीक्षा सच्चे सतगुरु से लो। उन्होंने कहा कि पल पल चेतो और समय की कद्र करो। गुरु महाराज ने फरमाया कि कर्म बिगाड़ना और सुधारना इंसान के अपने हाथ में है।आपके किये कर्म का दोष आप किसी और के सर पर नहीं मढ़ सकते। परमात्मा की नजर से कोई नहीं बच सकता। वो सबका लेखा रखता है। उन्होंने कहा कि प्रारब्ध कर्म के कारण आपको यह जन्म मिला,इंसानी शरीर मिला,अच्छा घर कुल मिला। इसका सदुपयोग करो।

हुजूर महाराज जी ने हैरानी जताते हुए कहा कि सन्त इस दुनिया के समस्त पदार्थो को जिनमे हम सुख खोजते हैं उनको ही दुखो का असल कारण मानते हैं। सुख परमात्मा के नाम में है। नाम मिलता है सेवा से और सेवा शुरू होती है घर से। सेवा आपके जगत को बनाती है और नाम भक्ति आपके अगत को बनाती है। आप मुक्ति की नहीं भक्ति की चाह रखो। उन्होंने फ़रमाया कि दुनियादारी में रहकर आप भक्ति कमाओ। पर धन पर त्रिया से नेह ना लगाओ।हक हलाल की कमाई खाओ। किसी का दिल ना दुखाओ। स्वयं की निरख परख करते रहो।

वयं के आचरण पर दृष्टि रखो कि क्या हम सन्त महात्माओ की बानी के अनुसार चल रहे हैं। मन की चाल को साधो क्योंकि मन आपको बार बार भटकाएगा। बार बार समझो कि क्या जो हम कर रहे हैं वो निस्वार्थ और परोपकारी है।

भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन देते संत कंवर साहेब। फोटो : हरिभूमि

पिता ने कहा- 'हमारी कोई बेटी नहीं। पैदा तो हुई थी पर जवानी की दहलीज पर पैर रखा ही था कि मौत हो गई।' लोगों ने कहा- 'ऐसा क्यों बोल रहे हो?' आहत पिता बोले- 'अनुभव है। विगत के झूठे इतिहास को सच मानकर जीने वाले, अपनी संस्कृति से मुँह मोड़ने वाले ये लोग, अब हमारे नहीं रहे। उनसे नाता जोड़ लेना सही नहीं है।'

कहानी

सुरेश वशिष्ठ

मिताली का मौन

मिताली बहुत खुश थी। हिमाचल की हसीन वादियों में जन्मी, पली, पढ़ी और अब साइबर सिटी-गुरुग्राम में एक अच्छी एमएनसी कंपनी में नौकरी पर ज्वाइन करने जा रही थी। इसी से वह बहुत खुश दिखाई दे रही थी।

वह विचार करने लगी- 'कैसा होगा वहाँ का परिवेश? कंपनी के संगी-साथियों के साथ कैसे बीतेंगे दिन।....और कब गृहस्थ जीवन में होगा पदार्पण?' यही सवाल अंतस् में उठ रहे थे। सवाल उठते और जवाब भी स्वतः ही उभर आते। और तब... कोई सिहरन, चहक आनंद से देह को भरने लगती थी।

आज मिताली ने एमएनसी कंपनी में ज्वाइन कर लिया था। ऑफिस बहुत सुंदर था। उसे मिलाकर कुल सात लोग उस ऑफिस में काम करते थे। सभी उससे सीनियर थे। तीन लड़कियाँ और चार लड़के पहले से थे। मिताली और ललित ने एक साथ ज्वाइन किया, तो अब चार लड़कियाँ और पाँच लड़के, कुल नौ हो गए। ललित को मिताली ने देखा तो वह नजरों में बस गया। पहले से कार्यरत दो लड़कों और दो लड़कियों में बहुत अच्छी पटती थी। वे चारों दोपहर में एक साथ ही भोजन करते थे और अपने में ही मस्त रहते थे। मिताली, ललित और वैभव के बीच भी अच्छी कैमिस्ट्री जम गई थी। ये तीनों भी साथ-साथ ही भोजन करने लगे थे। दिन बीतने लगे, रातें चली जाती रही और मुलाकातें बढ़ती गई।

एक दिन, दूसरी उन दोनों लड़कियों ने अपने-अपने बॉयफ्रेंड से ब्याह रचा लिया। चारों बहुत खुश दिख रहे थे। ऑफिस में छोटी-सी एक पार्टी रखी गई और दिलफेंक हवाइयाँ भी चलीं। अगले दिन से सभी काम में व्यस्त हो गए। हर दिन उन्हें एक नया अनुभव देता रहा। दोनों लड़के और लड़कियाँ खुशहाल थे। पता चला कि शादी को लेकर एक लड़की का परिवार बहुत नाराज था। शादी में वह शामिल भी नहीं हुआ था। कारण यह कि दोनों की जातियाँ अलग-अलग थीं। लड़की ब्राह्मण थी और लड़का दलित परिवार से था।

पिता ने कहा- 'हमारी कोई बेटी नहीं। पैदा तो हुई थी पर जवानी की दहलीज पर पैर रखा ही था कि मौत हो गई।' लोगों ने कहा- 'ऐसा क्यों बोल रहे हो?' आहत पिता बोले- 'अनुभव है। विगत के झूठे इतिहास को सच मानकर जीने वाले, अपनी संस्कृति से मुँह मोड़ने वाले ये लोग, अब हमारे नहीं रहे। उनसे नाता जोड़ लेना सही नहीं है।'

कुछ दिन बीते। लड़की के व्रत रखने और पूजा-पाठ पर कलह शुरू होने लगी। जिरह होती रही और भीमराव अंबेडकर की महानता के बीच भगवान श्रीराम का चरित्र फीका पड़ने लगा। चेहरे पर से खुशी जाती रही। तनाव साफ-साफ दिखने लगा था।

फिर एक दिन, लड़की आई और कंपनी में अपना त्यागपत्र देकर चली गई। सुना यह था कि उसने दूसरे किसी शहर में किसी नई कंपनी में ज्वाइन कर लिया है। लड़का कुछ दिन मायूस रहा और फिर वह भी एक दिन जॉब छोड़कर चला गया। विवाह का पवित्र वह बंधन टूट चुका था। ललित ने अपने बैग से गुलाब का एक सुंदर फूल निकाला। घुटनों पर बैठकर वह उसे मिताली को देने लगा। मिताली ने पूछा--'यह क्या है?' उसने कहा--'तुम्हें देने का मन हुआ है।' मिताली ने उसे हाथों में पकड़ लिया। वह नहीं जानती थी कि फूल हाथ में पकड़ लेने से लड़कों की सोच बदलने लगती है। बगैर कुछ सोचे समझे उसने तो यूँ ही फूल को हाथों में थाम लिया था। नहीं मालूम था कि गुलाब हाथों में थाम लेना प्रीत की स्वीकारोक्ति है? ललित ने मिताली से कहा--'अच्छी फिल्म लगी है, देखने चलें?' मिताली ने मना कर दिया। उसे आश्चर्य हुआ और पूछने लगा--'क्यों नहीं जाना चाहती?' मिताली बोली--'जिसके साथ ब्याह होगा, उसी के संग फिल्म देखने जाऊँगी।' ललित बोला--'ब्याह मुझसे कर लो?' मिताली कहने लगी- 'घरवाले जहाँ चाहेंगे, वहीं शादी करूँगी। मुझे समाज में अपने पिता का सिर नीचा नहीं करना है।'

अगले कुछ रोज, ललित मिताली से दूर-दूर ही रहा। दोनों के बीच बातचीत भी कम होने लगी। दोपहर में भोजन तो तीनों साथ कर रहे थे लेकिन नाराजगी साफ दिख रही थी।

दूसरे युवक का नाम वैभव था। एक दिन दोपहर भोजन के समय वैभव मिताली से पूछने लगा--'तुम्हारे बीच नाराजगी दिखाई दे रही है।' ललित तो चुप रहा लेकिन मिताली बोली--'नहीं तो! हमारे बीच कोई नाराजगी नहीं।' ललित ने जल्दी से भोजन किया और उठकर चल दिया। वैभव की नजरें दोनों के चहरों को पढ़ रही थी।

उस दिन, भोजन का समय था। टिफिन खुले और तीनों खाने में लग गए। कोई खाना शेयर भी नहीं कर रहा था। कहीं भीतर में खटास थीं। सभी ने गहरी चुप्पी ओढ़ ली थी। वैभव ने मिताली और ललित को गौर से निहारा, फिर मिताली के चेहरे को पढ़ते हुए वह बोला--'मिताली, मैं नासमझ नहीं। तुम्हारे और ललित के बीच बहुत कम बातें हो रही हैं। नाराजगी साफ दिख रही है और यह नाराजगी नई नहीं है। दिनों-दिन बढ़ रही इस नाराजगी का हल निकाल लेना चाहिए। आपस की बात-चीत चलती रहे तो अच्छा लगेगा।' ललित से भी उसने पूछा--'ललित, बोलो तो किस बात पर नाराजगी है?' कुछ देर तो उसने कुछ कहा नहीं, फिर कई बार कुरेदने पर वह बताने लगा--'मैंने प्रीत का इजहार किया था, मिताली ने उसे एक्सेप्ट भी किया था लेकिन अब वह दूर जा रही है।'

'मैं कहाँ दूर जा रही हूँ।' मिताली बोली, 'तुम्हारी हर बात का तो खयाल रखती हूँ। उस रोज तुमने शादी की बात की थी, उस पर मेरा साफ निर्णय हैं--'मेरे पिता जिसके हाथ में भी मेरा हाथ देगें, वही मुझे स्वीकार होगा ! मैं स्वयं से कोई पहल नहीं करूँगी।'

थोड़ी देर चुप्पी रही। फिर वैभव बोला--'सही तो कहा मिताली ने, इसमें क्या गलत है? वह घर की मर्यादा से बाहर नहीं जाना चाहती। और यह तो अच्छी बात है। तुम्हें यह बुरा क्यों लग रहा है?' ललित कुछ नहीं बोला और टिफिन उठाकर चला गया।

मिताली आज बहुत खुश थी। सात-आठ दिन की छुट्टी के बाद वह ऑफिस लौटी थी। सभी से हैलो-हॉय के बाद उसने चमचम और मीठी रसमलाई सभी के लिए परोसी और उनकी टेबुल पर रखती चली गई।

वैभव ने पूछा--'किस खुशी में?' मिताली बोली--'पहले खा लीजिए, खुशी भी बतला ही दूँगी।' सभी ने परोसी गई मिठाइयाँ खा लेने के बाद उसे थैक्यू कहा और मिठाई खिलाने का कारण जानना चाहा। मिताली बताने लगी--'छुट्टियाँ काटकर आई हूँ। इन छुट्टियों में घरवालों ने मेरा रिश्ता पक्का कर दिया है। अगले महीने मेरी शादी है।' ललित के चेहरे से रौनक गायब हो गई। वह उठा और चुप अपनी सीट पर जा बैठा। बाकी सभी मिताली को बधाई देने लगे। मिताली की धूमधाम से शादी हुई। ऑफिस से ललित को छोड़कर बाकी सभी शादी में शामिल हुए। ललित चुप-चुप और गमगीन रहने लगा। मिताली लंबी छुट्टी पर चली गई। ललित हर किसी से बहुत कम बातें करने लगा था।

ससुराल के नये घर में मिताली का खूब आदर सत्कार हुआ। रस्में पूरी हुई तो रात सुहानी का इंतजार होने लगा। दुलहन की पोशाक में सजी, सेज पर वह पति का इंतजार कर रही थी। रात बीती जा रही थी और पति जाने कहाँ गायब था? आधी रात, ननद से मिताली को पता चला कि उसका पति तो अपने दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर घूमने चला गया है।

ससुराल के नये घर में मिताली का खूब आदर सत्कार हुआ। रस्में पूरी हुई तो रात सुहानी का इंतजार होने लगा। दुलहन की पोशाक में सजी, सेज पर वह पति का इंतजार कर रही थी। रात बीती जा रही थी और पति जाने कहाँ गायब था?

आधी रात, ननद से मिताली को पता चला कि उसका पति तो अपने दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर घूमने चला गया है।

वह अचम्भित रह गई। सोचने लगी--'यह कैसा पति है, जो सुहानी रात पत्नी को छोड़कर चला गया।' मन में अनेक शंकाएँ जागने लगीं और बुरे खयाल उसे घेरने लगे। शादी के बाद मिताली ससुराल से घर लौटकर आई। चेहरे पर कोई खुशी नहीं थी। माँ ने ससुराल के लोगों के स्वभाव को लेकर अनेक प्रश्न किए। वह कुछ नहीं बोली। पिता ने भी कुछ पूछना चाहा, उसने टाल दिया। माता-पिता परेशान होने लगे। बेटे के चेहरे की तरफ देखते और आहत होते। फिर एक दिन, मिताली ने पिता से कहा--'मैं अपनी जॉब पर जाना चाहती हूँ।' पिता बोले--'दामाद जी राजी होंगे क्या?' वह उठकर चली गई। पिता उसे देखते रह गए।

दिन बीते। एक रोज मिताली की माँ ने बेटी से कहा--'दामाद जी तुझे लिवाने आ रहे हैं। तुम्हारी सास का संदेशा भी आया है।' मिताली बोली--'उन्हें मना कर दो ! मैं कहीं जाने वाली नहीं। अगर जाउँगी तो अपनी जॉब पर !' माँ बोली--'सास का कहना है, हमें जॉब नहीं करानी।' मिताली ने कहा--'मुझे जॉब पर ही जाना है, ससुराल नहीं जाना।' और वह उठकर चली गई।

माता-पिता समझ नहीं पा रहे थे कि यह उसमें कैसा परिवर्तन है? उन्हें कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था। पूछने की बहुत कोशिश हुई लेकिन मिताली ने जुबान नहीं खोली। सास को मिताली का निर्णय बताया गया, तब वहाँ से भी उसे लिवाने कोई नहीं आया।

मिताली ने पैकिंग की और जॉब पर जाने को तैयार हो गई। पिता बोले--'यह तुम्हारा गलत निर्णय है। ससुराल जाने में तुम्हें आपत्ति क्या हैं?' 'मैं वहाँ नहीं जाउँगी।' मिताली ने साफ-साफ कहा। 'कारण क्या है, कुछ तो कहो?' पिता जोर देकर पूछने लगे।

'उन्हीं से कारण भी पूछ लेना।' दृढ़ स्वर में मिताली ने पिता से कहा। पिता फिर भी कुछ नहीं समझ पाए और मिताली को जॉब पर चले जाने दिया।

दोपहर के खाने में वैभव ने स्वीट्स परोसी। ललित पूछने लगा--'किस खुशी में?' वैभव मुस्करा दिया और बोला--'मुझे पैप्सी में अच्छा ऑफर मिला है। यहाँ नोटिस देकर मैं वहाँ चला जाऊंगा।' सबको खुशी हुई। मिताली थोड़ा असहज हो गई। ललित पहले की तरह बातें करने लगा था, लेकिन मिताली सहज नहीं हो पा रही थी। अगले दिन, वैभव ने मिताली से पूछा--'जॉब पर रहते हुए ससुराल से आना-जाना कैसे रहेगा?' उसने जवाब नहीं दिया।

वैभव ने फिर उसे टोका--'हसबैंड क्या यहीं आकर रहेंगे?' उसने वैभव पर नजरें डाली और घूरते हुए पूछने लगी--'किसलिए?' कहने के ढंग से तीक्ष्ण तीर-सा चुभ गया। वैभव कुछ समझ न सका।

छुट्टी का दिन था। मिताली के पिता बेटी से मिलने ऑफिस आए। साथ में मिताली की माँ भी थी। कुछ देर बाद ललित और वैभव का भी वहाँ आना हुआ। चाय के लिए सभी साथ-साथ बैठे। परिचय के बाद शादी की बातों का दौर चला। फिर सिलसिले खुलने लगे। मिताली के ससुराल नहीं जाने पर जिक्र भी चला। वैभव कारण पूछने लगा। मिताली चुप रही।

माँ ने अपना पक्ष रखा। पिता समाज की दुहाई देते रहे। ललित भी जानना चाहता था कि वह ससुराल क्यों नहीं जाना चाहती। मिताली खीज उठी। देर तक चली जिरह में मिताली आक्षेप सुनती रही, चुप रही। लेकिन सभी तो कारण जानने को इच्छुक थे।

तब, मिताली द्रवित हो उठी। खीजकर बोली--'आप सभी जानना चाहते हैं कि मैं ससुराल क्यों नहीं जाना चाहती....तो सुनो, जिस लड़के से मेरी शादी हुई है, वह समलैंगिक है। मुझ में उसे इंट्रेस्ट नहीं है।' गहरा मौन पसर गया। वातावरण स्तब्ध था और मिताली की आँहें उसे तड़पा रही थीं।

कविता | अर्चना कोचर

माफीनामा लिखते हस्ताक्षर

बच्चों की हर मनमानी पर, हमारे हस्ताक्षर चिपकने लग गए हैं
उनकी हर गलती पर माफ़ीनामा, हम लिखने लग गए हैं।

क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात में
हम अपनी उम्र से कुछ ज्यादा, बड़े दिखने लग गए हैं।

बहुत बड़े परिवार हुआ करते थे, हमारे बड़े-बुजुर्गों के
जनसंख्या वृद्धि में हम, हमारे दो पर टिकने लग गए हैं।

खोखली नींवों को दस्तक देते, आधुनिकता के रंग में रंगें बच्चों को
हमारे दो बच्चों वाले परिवार भी, अखरने लग गए हैं।

शादी की उम्र को उच्च महत्वाकांक्षाओं में खपाने वाले बच्चे
सृष्टि सृजन में, एग फ्रीज करवाने लग गए हैं।

फल-फूल रहे हैं, विदेशी उड़ान के सपने
लड़का-लड़की दोनों कमाने लग गए हैं।

वृद्धा आश्रम में भी, मां-बाप ने पलकों पर बैठाए हैं बच्चे
बच्चों को नौकर-चाकर, अभिभावक लगने लग गए हैं।

शादी की पवित्रता के, वैचारिक मत-मनभेद में, अधेड़ उम्र के बच्चों को
ब्याहने की बेबसी में, हम भी आंखें मूंदने लग गए हैं ।

लिव इन रिलेशनशिप की रीत-प्रीत में, बंध रहे हैं बच्चे
हम भी बिन फेरे-हम तेरे वाले बंधन पर, आशीर्वाद बरसाने लग गए हैं ।

कान तरस जाते हैं, बच्चों की किलकारियां सुनने में
घरों में भौं-भौं टामी, पलने लग गए हैं।

उम्र बीत रही है हमारी भी, बच्चों को सृष्टि सृजन समझने-समझाने में
वो पुरातनपंथी का टैग, हम पर लगाने लग गए हैं।

मोह-ममता की विवशता में, उनकी हर मनमानी पे
हम भी माफीनामा लिखे अपने हस्ताक्षर, चिपकाने लग गए हैं।

कविता | राकेश कुमार सपड़ा

अपना सा लगता है

ये समुद्र जो लहरों की
मौज पर अपनी मचलता है
ये तन्हा है फिर भी
जाने क्यों सबको
अपना सा लगता है।

ये आसमान नीला
प्रतिबिंब इसका
इसमे झलकता है
ये सूरज गर्मी से
जिसकी जाने
क्या क्या पिघलता है
विचरता है दिन भर
आराम इसको भी
शाम ढलते इसकी
ही आगोश में ही
आ के मिलता है।

झाँके कोई इसमे
गहरा कितना ही
थाह इसका नहीं
किसी को मिलता है
ये चांद पूर्णिमा को
इसी के जल को
तरसता है।

बैठा हूँ किनारे पर इसके
लहरें इसकी छू के
लौट जाती हैं

काश रुक जाती तो
पूछ लेता इनसे
क्यों नहीं रुक के
दो पल
हाल सफर का सुनाती है ?

ये नाता लहरों का सागर से
कितना गहरा होता है
होता शुरू इसी से
खत्म इसी में होता है।

हास्य व्यंग्य, काव्य और लघु कथाओं से समाज को सकारात्मक संदेश दे रहे वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर शामलाल कौशल का कहना है कि साहित्य में आई गिरावट का कारण शॉर्टकट के रास्ते लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास है। लेखकों को भी बदलते सामाजिक परिवेश के अनुसार साहित्य संवर्धन करने की आवश्यकता है। तभी समाज और संस्कृति को जीवंत रखने की कल्पना की जा सकती है।

साक्षात्कार | **ओ.पी. पाल**

सामाजिक विसंगतियों को दूर करने का माध्यम साहित्य: शामलाल कौशल

साहित्य जगत में समाज को नई दिशा देने के मकसद से ही लेखक साहित्य साधना करते आ रहे हैं। मूर्धन्य विद्वानों ने साहित्य को समाज का दर्पण माना है। इसलिए लेखक और साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य साधना करके समाज को अपनी संस्कृति और सभ्यता के प्रति सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। हरियाणा की समृद्ध संस्कृति के संवर्धन में जुटे शिक्षाविद् एवं लेखक शामलाल कौशल भी आलेख, काव्य, हास्य व्यंग्य और लघु कथाओं जैसी विधाओं से अपने रचना संसार को बढ़ाकर साहित्य और समाज को एक-दूसरे के पूरक होने की सार्थकता को सिद्ध करने में जुटे हैं। हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. शामलाल कौशल ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे पहलुओं को उजागर किया, जिसमें आजकल सामाजिक विसंगतियों के कारण दूर होती सभ्यता, संस्कृति, नैतिकता और बड़ों के प्रति आदर जैसी परंपराओं को जीवंत करने में साहित्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का माध्यम है। हरियाणा में रोहतक के वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. शामलाल कौशल का जन्म 9 दिसंबर 1943 को पाकिस्तान के डेरा ग़ाज़ी खान में एक साधारण परिवार में तोताराम तथा यशोदा बाई के घर में हुआ था। जब वह बहुत छोटे थे तो भारत पाक विभाजन के समय रेलगाड़ी की छत पर सवारी करके हिंदुस्तान के पंजाब मे संगरूर शहर में उतरे। भारत आने के बाद प्रारंभिक दिन बहुत कठिन और संघर्ष के बीच बीते। इसी बीच साल 1953 में पिता के निधन के कारण पढ़ाई करना मुश्किल था, लेकिन फिर भी उन्होंने किसी तरह संगरूर के राज हाई स्कूल से मैट्रिक पास की। गवर्नमेंट रणबीर कॉलेज से बीए पास किया, जहां उन्हें अर्थशास्त्र पढ़ाने वाले शिक्षक तथा समाजसेवी प्रोफेसर मुंशी राम वर्मा ने उनके लिए एक अभिभावक की भूमिका निभाई और हरसंभव सहायता की। बाद में उन्होंने पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला से एमए (अर्थशास्त्र) उत्तीर्ण की। 1966 में हरियाणा के गोहाना में हरियाणा वार हीरोज मेमोरियल कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के तौर पर उनकी नौकरी लगी। 1981 में यही कॉलेज सरकारी बन गया और यहां करीब 36 साल अध्यापन करने के बाद 2001 में वह सेवानिवृत्ति हुए। बकौल शामलाल कौशल, हमारे परिवार में किसी की भी साहित्य में रुचि नहीं रही है। परिवार में शायद वह अकेले सदस्य थे, जिन्हें बचपन से ही अखबार पढ़ने की रुचि रही है। अपने कॉलेज की पत्रिका में भी उनके लेख भी नियमित तौर पर लेख प्रकाशित होते रहते थे। प्रो. शामलाल ने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने लेखन कार्य शुरू किया, जिसके लिए उन्हें डॉ. श्याम सखा, डॉ. मधुकांत जैसे कई ऐसे मूर्धन्य विद्वान और साहित्यकारों की प्रेरणा और मार्गदर्शन में कई विधाओं में अपने रचना संसार को लगातार दिशा दी। इसमें उन्होंने सबसे पहले एक हास्य व्यंग्य लिखा, जिसके बाद लघु कथाएं लिखनी शुरू की। खास बात ये भी है कि सेवानिवृत्ति के बाद साहित्य लेखन से ही उनका समय बहुत आसानी से गुजर रहा है और वरिष्ठ साहित्यकारों से मुलाकात और कार्यक्रमों में हिस्सेदारी से उनके ज्ञान में वृद्धि तथा सम्मान मिल रहा है। वे कहते हैं कि साहित्य समाज का दर्पण है। साहित्य का प्रभाव समाज पर पड़ता है और समाज भी साहित्य को प्रभावित करता है। लेकिन आज के समय में अच्छे साहित्य का अभाव इसलिए पनपा है क्योंकि हमारा समाज भी आजकल सभ्यता, संस्कृति, नैतिकता और बड़ों के प्रति आदर व ईमानदारी से दूर होता जा रहा है। हालांकि जिन्हें साहित्य का जुनून है वह अभी साहित्य साधना में जुटे हैं, लेकिन भौतिकतावाद के इस युग में साहित्य के प्रति पाठकों की रुचि पहले के मुकाबले में बहुत कम हो रही है। युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति रूझान न होने का कारण वह अपने करियर को लेकर इंटरनेट का ज्यादा सहारा ले रहे हैं। समाज के ताने बाने को संस्कृति के अनुरुप संजोने के लिए युवा पीढ़ी को साहित्य के लिए प्रेरित करने की बहुत जरूरत है। इसके लिए शिक्षण संस्थानों में साहित्य से संबंधित सामग्री पाठ्यक्रमों में शामिल करके शिक्षक साहित्य की विभिन्न विधाओं के बारे में छात्रों को संस्कारी बना सकते है।

प्रकाशित पुस्तकें

प्रो. शामलाल कौशल की प्रकाशित 15 पुस्तकों में लेख संग्रह-जीना एक कला है तथा खुश कैसे रहें, काव्य संग्रह-यही तो जिंदगी है, हास्य व्यंग्य संग्रह-यह दुनिया पागलखाना, कुंवारों का संडे बाजार व आज्ञाकारी पति होने के फायदे, लघुकथा संग्रह-अगर मां होती, हास्य व्यंग्य-ऐ बेशर्मी? तेरी सदा ही जय हो, लघु कविता संग्रह- जिनकी नहीं होती मां, अभी तो मैं जवान हूं और मेरे हीरो मेरे मां बाप, कहानी संग्रह-पिंजरे के पंछी सुर्खियों में हैं। वहीं लेख संग्रह- तनाव ही तनाव भी उनकी कृतियों में शामिल है।

शामलाल कौशल

पुरस्कार व सम्मान

प्रो. शामलाल कौशल को साहित्य साधना के लिए अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। हरियाणा साहित्य अकादमी ने उन्हें हास्य व्यंग्य संग्रह 'आज्ञाकारी पति होने के फायदे' के लिए सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से अलंकृत किया। वहीं लाल बहादुर शास्त्री 'साहित्य रत्न' पुरस्कार, निर्मला स्मृति आजीवन हिंदी साहित्य साधना सम्मान के अलावा कई राज्यों की साहित्यिक संस्थाओं द्वारा अनेक बार सम्मान देकर पुरस्कृत किया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : प्रो. शामलाल कौशल
जन्मतिथि : 9 दिसंबर 1943
जन्म स्थान : डेरा ग़ाज़ी खान (पाकिस्तान)
शिक्षा : एमए (अर्थशास्त्र, अंग्रेज़ी,राजनीति शास्त्र)
संप्रति : लेखक, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय, गोहाना।

जानकारी से परिपूर्ण है एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज

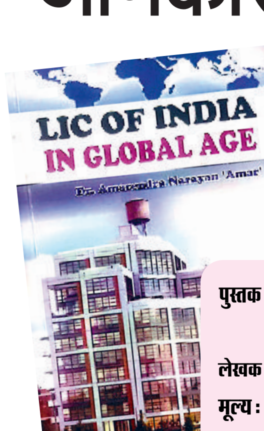

पुस्तक : एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज
लेखक : डॉ. अमरेन्द्र नारायण 'अमर'
मूल्य : 300 रुपये (पेपरबैक)
प्रकाशक : एकेडमिक एक्सीलेंस, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | **प्रो. एच.के. सिंह**

पुस्तक एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज यानि भूमंडलीय युग में भारतीय जीवन बीमा निगम भारतीय जीवन बीमा के स्वरूप का भीतरी एवं बाह्य अध्ययन प्रस्तुत करता है और भारतीय परिप्रेक्ष्य में इसके उद्देश्यों को भी। पिछले कुछ वर्षों में भारत में बीमा के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ी है। चाहे जीवन बीमा हो या साधारण बीमा, व्यक्ति को आर्थिक एवं मानसिक सुरक्षा प्रदान करता है। देश में बीमा के बारे में जानकारी देने वाले पुस्तक काफी कम हैं। डॉ. अमरेन्द्र नारायण 'अमर' द्वारा लिखित यह पुस्तक बीमा के विषय में उल्लेखनीय जानकारी के साथ -साथ उसकी विपणन रणनीति, विभाजन, लक्ष्यीकरण और स्थिति निर्धारण प्रस्तुत करती है एवं संबंधित नियमों आदि के बारे में सूचनाएं देकर पुस्तक को आम जनता के लिए उपयोगी बनाती है। यह पुस्तक अपनी गुणवत्ता और सरलता से बीमा के विषय में उल्लेखनीय जानकारी के कारण विपणन व्यूहरचना और विद्वतापूर्ण वाद-विवाद के अन्दर स्वयं को आधारित करता ही है, साथ ही अपनी दूरदृष्टि से यह पुस्तक भूमंडलीय परिवर्तन के समय विपणन के विभिन्न प्रकारों और भारतीय जीवन बीमा के व्यूहरचनात्मक विपणन पर भी विद्वतापूर्ण चर्चा करते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम के परिचालन प्रदर्शन के साथ-साथ संघटनात्मक संरचना और विपणन नीतियों, योजनाओं और रणनीतियों को बहुत अच्छे तरीके से बताता है। सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इस किताब की यह है कि एक ही जगह कोई शोधार्थी या व्यक्ति भारतीय जीवन बीमा निगम के स्वरूप एवं प्रकार को तो जान ही सकता है तथा उसकी कार्यप्रणाली ओर उसकी व्यूह योजनाओं को समझने के लिए विपणन को विभिन्न व्यूहयोजनाओं एवं उसके सिद्धान्तों के भी दिग्दर्शन कर सकता है। बीमा, खोज तथा शिक्षा के क्षेत्र में यह लेखक का सराहनीय कार्य और लेखक इसके लिए धन्यवाद के पात्र हैं। यह बीमा क्षेत्र की बेहतरीन पुस्तकों में से एक है। जो व्यक्ति बीमा सलाहकार के रूप में अपना करियर चुन रहा है, वह बीमा उद्योग में अच्छा भविष्य बना सकता है। यह पुस्तक छात्रों, शोधकर्ताओं और कंपनियों के लिए एक मूल्यवान परिसंपत्ति और मार्गदर्शिका है

खबर संक्षेप

नांधा स्कूल में छात्रवृति परीक्षा का हुआ आयोजन

भिवानी। उपमंडल बाढड़ा के गांव नांधा स्थित आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में 1-12 कक्षाओं के विभिन्न छात्रों ने हिस्सा लिया। इस छात्रवृति परीक्षा में लाडावास, काकड़ोली, बेरला, कादमा, दगडोली, सोहांसरा, लाड, बिसलवास, जड़वा, श्यामपुरा, बासड़ी, बाढड़ा, कारी आदि गांवों से लगभग 625 बच्चों ने भाग लिया। इसमें उर्तीण होने वाले बच्चों को उचित ईनाम देकर सम्मानित किया जाएगा। परीक्षा का आयोजन संस्था के निदेशक कुलदीप सांगवान, प्रधान मांगे राम, प्राचार्य मन्दीप कादयान, एएनओ विजेन्द्र लुहाच के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने बताया कि परीक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों की बौद्धिक क्षमता का आकलन एवं होशियार और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो हमें सफलता की ओर अग्रसर करता है, कोई भी परीक्षा व्यक्तित्व श्रेष्ठता की पहचान और किसी स्थिति का सामना करने की तैयारी का निरीक्षण सदैव परीक्षा का उद्देश्य रहा है। परीक्षा हमें हमारी कमियों और हमारी ताकत के बारे में बताती है। यह एक ऐसे मित्र की तरह है जो हमें सच्चाई का आईना दिखाती है।

बीपीएल परिवारों को दी जा रही 80 हजार की मदद

भिवानी। डीसी महावीर कौशिक ने बताया कि हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा सभी बीपीएल परिवारों को डॉ बीआर अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक यह लाभ केवल अनुसूचित जाति के बीपीएल परिवारों को ही दिया जा रहा था, लेकिन सरकार द्वारा योजना में बदलाव के उपरान्त इसमें सभी पात्र बीपीएल परिवारों को लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने योजना के तहत लाभार्थियों का दायरा बढ़ाने के साथ साथ योजना के तहत मिलने वाली राशि को भी 50 हजार से बढ़ाकर 80 हजार किया है। एससी एवं पिछड़ा वर्ग से संबंधित है।

युवा गलत संगत में नशे की लत में पड़ताः ज्योति

चरखी दादरी। आज का युवा गलत संगत से भ्रमित होकर नशे की लत में पड़ जाता है। उसकी मानसिक शांति भंग होने के कारण वह टेंशन डिप्रेशन का शिकार हो जाता है। कुछ पल की शांति के लिए नशे का प्रयोग कर मौत को निमंत्रण देता है। यह उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की झोझू कलां-कादमा शाखा के तत्वावधान में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मेरा गांव नशा मुक्त गांव अभियान द्वारा बिजना, माई खुर्द-कलां, नौरंगाबास राजपूताना गांवों में लोगों को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सामाजिक सबंध टूटने का कारण परचिंतन,परदर्शन,परमत है वास्तव में ये मानवता के दुश्मन हैं स्वचिंतन व परमात्म चिंतन से हम अपने संबंधों को मजबूत बना समाज को सशक्त बना सकते हैं।

संत रामपाल महाराज के 38वें बोध दिवस पर चार दिवसीय कार्यक्रम का दूसरा दिन

बोध दिवस के उपलक्ष्य पर आध्यात्मिक प्रदर्शनी, 52 यूनिट रक्त एकत्र

4 जोड़ों का हुआ दहेज मुक्त रमैनी विवाह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम में पहुंचे श्रद्धालु। *फोटो: हरिभूमि*

कालुवास मोड़ स्थित सतलोक आश्रम में संत रामपाल महाराज के 38वें बोध दिवस के उपलक्ष्य में 15 से 18 फरवरी तक जारी चार दिवसीय अमर ग्रंथ का अखंड पाठ एवं भंडारा रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान रक्तदान शिविर एवं दहेज मुक्त रमैणी शादियां हुई।

संत रामपाल महाराज के सानिध्य में आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि हरियाणा की संगत के अलावा अन्य प्रदेशों से परमात्मा प्रेमी इस समागम में पहुंच रहे हैं जगतगुरु रामपाल महाराज के बोध दिवस के उपलक्ष्य मे एक आध्यात्मिक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है, जिसमें संत रामपालजी महाराज द्वारा दिए गए ज्ञान को झांकियों के माध्यम से दिखाया जा रहा है। इस आध्यात्मिक प्रदर्शनी को देखने विधायक घनश्याम सर्राफ भी पहुंचे तथा आयोजन समिति द्वारा की गई व्यवस्थाओं की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने संत रामपाल का कोरोना आपदा के समय उनके द्वारा किए गए सहयोग के लिए धन्यवाद भी किया। इस प्रदर्शनी में सर्व धर्मों के पवित्र ग्रंथ एवं प्रमुख पुस्तकें भी रखी गई, जिनमें कबीर साहेब और जगतगुरु संत रामपाल महाराज द्वारा बताए गए प्रमाण दिखाए एवं उनकी विस्तार से जानकारी प्रदान की जा रही है।

जिससे आने वाले श्रद्धालु इस अदभुत आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित हो रहे हैं। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि विशाल महासमागम में रविवार को 52 यूनिट रक्तदान हुआ और जगतगुरु संत रामपाल महाराज के आशीर्वाद से 4 जोड़ों की दहेज मुक्त रमैनी विवाह का सफल आयोजन हुआ। इस अमृत वाणी एवं इस विशाल भंडारे में शुद्ध घी से बने भोजन एवं स्वादिष्ट मिठाइयों का लाभ आने वाले श्रद्धालु उठा रहे हैं।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते हुए।

बहल। श्री अलख गोशाला में गोसेवक राजकुमार यादव का स्वागत करते हुए गोशाला प्रधान गजानंद अग्रवाल व अन्य प्रबंधक समिति सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

गोशाला में गोपूजन व गायों को प्रसाद का भोग लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

- गायों के लिए 11 दलिए की सवामणी, 11 गाजर की सवामणी

सनातन धर्म से जुड़े लोगों में अब गो सेवा के लिए शादी विवाह या अन्य मांगलिक कार्यों में गायों को देवी देवताओं के समक्ष पूजने की पंरपरा बढ़ती जा रही है। कस्बे की श्री अलख गोशाला में भी लोग अपने शुभ अवसरों की शुरूआत गो पूजन से कर रहे हैं। रविवार को कस्बे के यादव परिवार ने इसी परंपरा को निर्वाहन करते हुए अपने पुत्र के विवाह समारोह की शुरूआत में गौ पूजन किया व गायों को प्रसाद का भोग लगाया।

रविवार को श्री अलख गोशाला में राजकुमार यादव ने परिवार सहित पहुंचकर अपने पुत्र राहुल के विवाह समारोह की दावत से पहले गायों की पूजा की। उन्होंने गायों के लिए 11 दलिए की सवामणी, 11 गाजर की सवामणी, 111 किलो गुड़ के अलावा 3100 रुपये का हरा चारा गायों के लिए दिया। राजकुमार यादव ने कहा कि उन्होंने शादी की शुरूआत गायों की पूजन से की है ताकि नवयुगल को हमेशा गऊ माता का आर्शीवाद मिलता रहे। गोशाला प्रधान गजानंद अग्रवाल ने राजकुमार की गोसेवा के प्रति सोच को श्रेष्ठ बताया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। गोसेवा मात्र से ही प्राणी के अनेकों कष्ट दूर हो जाते हैं। राजकुमार यादव द्वारा की गई पहल समाज में एक अनुकरणीय उदाहरण पेश करेगी और लोगों में गोसेवा के प्रति लगन बढ़ेगी।

गोसेवक बलबीर मेचू ने राजकुमार यादव को पटका पहनाकर उनका स्वागत किया जबकि श्री अलख गोशाला प्रधान गजानंद अग्रवाल ने उनको रसीद भेंट कर उनका सम्मान किया। राजकुमार यादव ने अपनी पत्नी सहित गो माता को पहला भोज दिया व आर्शीवाद लिया। इस अवसर पर संदीप लाखलाण, शिवकुमार गोस्वामी, जयकुमार शर्मा, राजेश अग्रवाल, अजय बिधनोई सहित अनेक गोसेवक मौजूद रहे।

खेलों से शारीरिक व मानसिक विकास

- खेल-खेल की भावना से खेले और कड़ी मेहनत की बदौलत ही लक्ष्य को हासिल किया जा सकता

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। प्रतियोगिता का शुभारंभ करवाते पार्षद सूर्या तंवर। *फोटो: हरिभूमि*

नगरपरिषद पार्षद सूर्या तंवर व समाजसेवी राहुण राणा ने संयुक्त रूप से कहा कि शिक्षा से केवल मानसिक विकास होता है,लेकिन खेलों से मानसिक व शारीरिक विकास होता है। शिक्षा के साथ साथ खेलों को भी महत्व देना चाहिए। ताकि युवक का सर्वागीण विकास हो सके। साथ ही उन्होंने कहा कि हमेशा खेल खेल की भावना से खेले और कड़ी मेहनत की बदौलत ही लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। वे आज पीर बाबा क्लब, सेक्टर 13 के प्रयास से वालीबॉल शूटिंग टूर्नामेंट का शुभारंभ करने के बाद खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व खेल आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने नगरपार्षद सूर्या तंवर के पहुंचने पर गुलदस्ता देकर व फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया। खेल आयोजन समिति के सदसय सुरेंद्र बेडवाल ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय व तृतीय रहने वाली टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर समाजसेवी राहुल राणा, जोगिंदर जादू, अधीक्षक, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, शंकर आहूजा समाज सेवी, भोला कबड्डी प्लेयर, हनुमंत, सुमित गोरिया, रवि एवं गणपति टेंट हाउस, सेक्टर 13 का विशेष सहयोग रहा है।

दि भिवानी रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक आयोजित

बुजुर्गों को रेल किराये में छूट व अन्य मांगें उठाई

- पूर्व मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद भी एसोसिशन की मांगें नहीं हुई पूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। सार्वजनिक समस्याओं पर चर्चा करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

सैक्टर-13 स्थित पार्क में रविवार को दि भिवानी रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक एसोसिएशन के प्रधान (आजीवन उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त) रामकिशन शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के दौरान एसोसिएशन की विभिन्न मांग एवं मुद्दों को लेकर चर्चा हुई। जिसमें सभी ने अपने-अपने सुझाव रखे तथा बैठक के अंत में सभी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि एसोसिएशन की मुख्य मांगों की एक प्रति मुख्यमंत्री के नाम भेजी जाएगी। इस बारे में जानकारी देते हुए दि भिवानी रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान (आजीवन उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त) रामकिशन शर्मा व पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश शर्मा ने बताया कि बैठक में कोरोना काल में पूर्व वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराए में रियायत थी, लेकिन अब नहीं है। जबकि वरिष्ठ नागरिक अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में धार्मिक स्थानों पर जाने की इच्छा रखते है। डा. फूल सिंह धनाना, जीवनदास, सतवीर कौशिक, राकेश सेठी, धनराज, रमेश वर्मा, सुरेश शर्मा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी, नंद किशोर, यशपाल, ओमप्रकाश, आनंद सहित अन्य वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे।

मिला था आश्वासन

प्रधान रामकिशन शर्मा ने कहा कि उपरोक्त मांगों को लेकर 14 अप्रैल 2020 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल को भी अवगत करवाया था तथा उन्होंने इस मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया था। लेकिन इसके बावजूद भी आज तक उनकी मांगों ज्यो की त्यो है। उन्होंने कहा कि इन मांगों को लेकर जल्द ही एसोसिएशन द्वारा मुख्यमंत्री के नाम मांगपत्र सौंपा जाएगा, ताकि सीएम का ध्यान उनकी मांगों की तरफ लाया जा सकें।

शांति व पर्यावरणीय संतुलन का माध्यम है हवन

- सात दिवसीय सामाजिक सद्भाव एवं समरसता संदेश कार्यक्रम का हवन के साथ हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। आयोजित हवन में आहुति डालते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा संत शिरोमणि गुरू रविदास की 648वीं जयंती के उपलक्ष्य में हनुमान ढ़ाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर में आयोजित किए गए सात दिवसीय सामाजिक सद्भाव एवं समरसता संदेश कार्यक्रम का रविवार को हवन एवं भंडारे के साथ समापन हो गया। यज्ञ के दौरान बतौर मुख्य यजमासन श्रीगुरू रविदास विश्वपीठ के जिला अध्यक्ष धर्मवीर दहिया एवं नूर ज्वैलर्स से रिंकी पहुंचे। कार्यक्रम का आयोजन हनुमान जोहड़ी मंदिर के महंत बालयोगी चरणदास महाराज के सान्निध्य में किया गया। यह जानकारी देते हुए पर्यावरण प्रहरी विजय सिंहमार ने बताया कि संत शिरोमणि गुरू रविदास की जयंती पर आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 7 दिन महान संतों के सान्निध्य में, के थीम के साथ किया गया। जिसमें सात दिनों तक महान संतों द्वारा समाज व राष्ट्र उत्थान में दिए गए संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया गया। इस मौके पर बालयोगी महंत चरणदास महाराज ने कहा कि हवन के दौरान अग्नि में आहुति देने से वातावरण की शुद्धि होती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता लाता है, जिससे कार्यक्रम का समापन शुभ और मंगलमय होता है। उन्होंने कहा कि हवन देवताओं को प्रसन्न करने और उनकी कृपा प्राप्त करने का माध्यम माना जाता है। इस मौके पर संजय गोयल, पुरुषोत्तम पुष्प, भागीरथ शर्मा, श्यामलाल मेघवाल, डा. शमशेर, डा. शमशेर, ओमवीर कौशिक, अमित देवी, सुनीता देवी, प्रीति पवन सैनी, डा. कामना, बालवीर डगर आदि मौजूद रहे।

हवन से कार्यक्रम का उद्देश्य होता है पूर्ण

हवन के साथ कार्यक्रम का समापन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति, शांति, सकारात्मकता और पर्यावरणीय संतुलन का माध्यम भी है। इससे कार्यक्रम का उद्धेश्य पूर्ण होता है और उसमें भाग लेने वाले सभी लोगों को आध्यात्मिक संतोष प्राप्त होता है।

गीतांजलि स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी

- बच्चों ने अनेक प्रकार के मनमोहक और ज्ञानवर्धक मॉडल बनाए

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। मॉडल प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

कलियाणा रोड पर स्थित गीतांजलि वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने अनेक प्रकार के मनमोहक व ज्ञानवर्धक मॉडल बनाए। इस मॉडल प्रतियोगिता में 54 बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में छठी कक्षा से नौवीं कक्षा तक के बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता को दो ग्रुप में विभाजित किया गया। ग्रुप-ए में आठवीं और नौवीं के बच्चे और ग्रुप-बी में छठी और सातवीं के बच्चे शामिल रहे। सभी बच्चों ने अपने-अपने मॉडल का सही तरीके से वर्णन किया और अध्यापकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए। इस प्रतियोगिता में ग्रुप-ए से कक्षा नौवीं की निशिता प्रथम, कक्षा नौंवी से वंशिका प्रथम, कक्षा आठवीं से खुशी, चेतना, भव्या व शानवी द्वितीय तथा कक्षा आठवीं से ही सन्नी, गौरव, रितेश व लक्ष्य तृतीय स्थान पर रहे। ग्रुप-बी में कक्षा छठीं से सिद्धांत, हर्षित प्रथम, कक्षा सातवीं से विश्व व आदित्य प्रथम, कक्षा सातवीं से खुशी व वाणी द्वितीय, कक्षा छठीं से अंशिका व शिवानी द्वितीय, कक्षा सातवीं से हेमशिखा व निधि तृतीय तथा कक्षा छठीं से अंशिका व कोमल तृतीय स्थान पर रही। गीतांजलि शिक्षा समिति के प्रधान नवीन राणा, सचिव नवदीप सांगवान, प्राचार्या अनुप्रिया सांगवान और सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

हर वर्ग के उत्थान की सोच रखते है मुख्यमंत्री नायब सैनीः जयसिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि।

- हर चुनाव की भांति इस चुनाव में भी भाजपा की बड़े मार्जन से जीत होगी

वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी व सिंचाई एवं जल संसाधन और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए कृत संकल्पित है। विशेष पिछड़ा एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को राजनीति के क्षेत्र मे आगे बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर पर मजबूती से कार्य किए जा रहे है। जिसके चलते हर चुनाव में अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों का सम्मान करते हुए टिकट वितरण में उनका विशेष ध्यान रखा गया है। जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि आगामी नगर पालिका व नगर निगम के चुनाव में भी टिकट वितरण में वाल्मीकि समाज का विशेष ध्यान रखते हुए इस चुनाव में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का काम किया है। जिससे उनकी हर वर्ग के प्रति समानता की सोच झलकती है, इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बधाई एवं आभार के पात्र है। जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का यह कदम एवं सोच वाल्मीकि समाज को भी राजनीति के क्षेत्र में आगे लाने का काम करेगी। जिससे उनका भी राजनीतिक उत्थान तेजी से होगा। जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि हर चुनाव की भांति इस चुनाव में भी भाजपा प्रत्याशियों की बड़े मार्जन से जीत होगी, भाजपा की जनहित की नीतियों को लोग पसन्द कर रहे है।

आकवुड स्कूल में वार्षिक उत्सव के कार्यक्रम में बच्चों ने मचाया धमाल

वार्षिकोत्सव में बही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बयार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

वार्षिक उत्सव किसी भी विद्यालय के लिए सबसे बड़ा अवसर होता है। अपने बच्चों की उपलब्धियों, मेहनत और लगन को प्रदर्शित करने के लिए स्थानीय आकवुड स्कूल में एक रंगारंग कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में रिटायर्ड कर्नल जय नारायण शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी विष्णु दत्त शर्मा तथा युवा नेता अभिजीत लाल सिंह ने शिरकत की। कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने मैनेजमेंट सदस्य व अभिभावकों के साथ मिलकर आनंद लिया। सर्वप्रथम मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलन तथा पुष्प अर्पित कर मां शारदा का आशीर्वाद ग्रहण किया गया। तत्पश्चात विद्यालय निदेशक दिनेश सिंह व मैनेजमेंट सदस्य विक्रम राणा, मानवेंद्र सिंह तथा प्राचार्य सज्जन भारद्वाज ने मुख्य अतिथि तथा अन्य गणमान्य अतिथियों का पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में भगवान गणेश की आराधना के रूप में एक मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया।

प्राचार्य ने आगामी सत्र की रूपरेखा बताई

विद्यालय प्राचार्य सज्जन भारद्वाज ने विद्यालय की उपलब्धियों का तथा आगामी सत्र की रूपरेखा का संक्षेप में परिचय दिया। साथ ही उन्होंने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे बच्चों की शिक्षा में किसी भी तरह का समझौता न करें तथा बच्चों को नियमित विद्यालय आने के लिए प्रेरित करे। जो विद्यार्थी पूरे वर्ष नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित रहेंगे उनको आगामी वर्ष में विशेष पारितोषिक दिया जाएगा। कार्यक्रम में गत वर्ष के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले सभी छात्रों को व विशेष प्रतिभा प्रदर्शित करने वाले सभी छात्रों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय के सभी छात्रों को कार्यक्रम में प्रतिभागिता लेने के लिए शुभकामनाएं दी उनके कार्यक्रम की दिल से सराहना की व सभी विद्यार्थियों को ट्राफियां प्रदान की गई।

खबर संक्षेप

शिविर में 52 लोगों का स्वास्थ्य जांचा, दी दवाई

भिवानी। मानव सेवा के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए विश्व मानव रूहानी केन्द्र द्वारा समय-समय पर अनेक सामाजिक कार्य आयोजित किए जाते हैं। जिसके तहत रूहानी केन्द्र शाखा भिवानी द्वारा प्रत्येक रविवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजित किया जाता है। जिसके तहत जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर उचित स्वास्थ्य सेवा मिल सके। संस्था के सदस्य उल्फत सिंह, रोहताश कुमार, नरेन्द्र सिंह, अनिता, उर्मिला आदि ने बताया कि स्वास्थ्य जांच शिविर में मनत अस्पताल के चिकित्सकों ने डा. सुनीता दुहन की देखरेख में अपनी सेवाएं देते हुए 52 लोगों के बीपी, शुगर, बुखार व अन्य बीमारियों की जांच कर उन्हें निशुल्क दवाई दी।

बी.के हरिप्रसाद के नेतृत्व में कांग्रेस होगी मजबूत

भिवानी। बी.के हरिप्रसाद के हरियाणा प्रदेश कांग्रेस का प्रभारी बनाए जाने पर कांग्रेस के शहरी निकाय सह संयोजक प्रधान ईश्वर शर्मा ने कहा कि बी.के हरिप्रसाद के प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए जाने से हरियाणा प्रदेश में कांग्रेस पार्टी और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि बी.के हरिप्रसाद पहले भी प्रदेश के प्रभारी रह चुके हैं। वे पूरे प्रदेश से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। इसका पूरा लाभ पार्टी को मिलेगा। प्रधान ईश्वर शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी प्रदेश व केंद्र में मजबूती के साथ उभरेगी।

आदर्श स्कूल में मसाल के साथ खेलों का आगाज

चरखी दादरी। गांधी नगर स्थित आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मोहित ग्रेवाल (125कि.ग्रा. एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप गोल्ड मेडलिस्ट), रीना सांगवान (53 किग्रा. एशियन गोल्ड मेडलिस्ट) रहे। उसमें पूरे जोश के साथ बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। इस प्रतियोगिता में मुख्य रोमांचक खेल रेस विद टॉयज, हर्डल रेस, बास्केटबॉल अरेंजमेंट, बैलून ब्लेसिंग रेस, टर्टल रेस, प्लेट ब्लेसिंग रेस, हर्डल रेस, बैग पैकिंग रेस, गर्ल्स हर्डल रेस, बॉयज लोंग जंप, गर्ल्स थ्री लैग रेस शामिल रहे। मुख्यातिथि ने बच्चों का हौंसला बढ़ाया।

आध्यात्मिक संस्था राधास्वामी सत्संग दिनोद को मिला प्रशस्ति पत्र

भिवानी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से राधास्वामी सत्संग दिनोद के रक्तदान प्रकोष्ठ के अग्रणी सेवादार अनूप सिंह प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते हुए। फोटो: हरिभूमि

कैंसर पीड़ितों के लिए 50 हजार यूनिट से ज्यादा रक्त एकत्रित करवाने पर मिला सम्मान

- 50 हजार से ज्यादा यूनिट रक्त एकत्रित कर चुकी है संस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर उतर भारत की अग्रणी आध्यात्मिक संस्था राधास्वामी सत्संग दिनोद को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। राधास्वामी सत्संग दिनोद की संगत थैलीसीमिया व कैंसर से पीड़ति रोगियों के लिए अब तक 50 हजार से ज्यादा यूनिट रक्त एकत्रित कर चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से राधास्वामी सत्संग दिनोद के रक्तदान प्रकोष्ठ के अग्रणी सेवादार अनूप सिंह ने प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया। कमल प्रधान ने बताया कि परमसंत हुजूर कँवर साहेब महाराज अध्यात्म के साथ सामाजिक सद्भावना का संदेश अपने सत्संगों के माध्यम से देते हैं। गुरु महाराज की सद्प्रेरणा से ही राधास्वामी सत्संग दिनोद की यह आध्यात्मिक संस्था सामाजिक कार्यो में भी अग्रणी रहती है। यही कारण है कि कैंसर पीड़ितों व थैलीसीमिया से पीड़ति मरीजों के लिए लगभग 50 हजार यूनिट रक्त मुहिया करवाने पर एम्स बाढ़सा झज्जर के छठे स्थापना दिवस पर संस्था को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने सम्मानित किया। उल्लेखनीय है राधास्वामी सत्संग दिनोद का चयन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान एम्स बाढ़सा की टीम द्वारा हरियाणा में सर्वाधिक रक्त उपलब्ध करवाने वाली संस्थान के रूप में किया गया।

राज्यपाल ने किया सम्मानित

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राधास्वामी सत्संग दिनोद व रक्तदान से जुड़े सभी आयोजकों को रक्त भरपूर मात्रा में उपलब्ध करवाने पर शुभकामनाएं दी। कमल प्रधान ने बताया कि राधास्वामी सत्संग दिनोद को इससे पहले भी हरियाणा के राज्यपाल द्वारा रक्तदान के उत्कृष्ट कार्य और जागरूकता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। कमल प्रधान व अनूप सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान होता है। रक्त ही एकमात्र ऐसा पदार्थ है, जिसका निर्माण किसी फैक्ट्री में नहीं हो सकता। रक्त की पूर्ति केवल नियमित रक्तदान से ही पूरी हो सकती है। कुछ लोग नियमित रक्तदान को अपने जीवन का अभिन्न अंग बना चुके हैं।

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण

निर्माण सामग्री में गड़बड़ी की तो नपेंगे ठेकेदार: भवानी प्रताप

भवानी प्रताप सिंह-बोले निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। विकास कार्यो का निरीक्षण करते नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह व पार्षद सुभाष तंवर। फोटो: हरिभूमि

रविवार को नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने एमसी सुभाष तंवर व अन्य पार्षदों को साथ लेकर निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया। इस दौरान चल रहे निर्माण कार्यो के प्रयोग में की जा रही निर्माण सामग्री की जांच की। साथ ही निर्माण सामग्री के सेम्पल भी लिए।

इस दौरान नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने कहा कि निर्माण सामग्री में किसी तरह की कोई ढिलाई व कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। अगर किसी ठेकेदार ने कोताही या ढिलाई बरती तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यहां तक उनको ब्लैक लिस्ट भी करवाया जाएगा। चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह वार्ड संख्या 17 की काठ मंडी में चल रहे सीसी की गलियों के निर्माण कार्य देखने पहुंचे। सबसे पहले चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने वहां पर चल रहे निर्माण कार्य की निर्माण सामग्री की जांच की। निर्माण सामग्री के अनुपात के बारे में जानकारी ली।

निर्माण सामग्री में रोडी, सीमेंट व क्रेशर का अनुपात कितना है। ये सभी जानकारी लेने के बाद नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने ठेकेदार व निर्माण करने वाले कारीगरों से भी बातचीत की। इनके अलावा शहर में अन्य जगहों पर चल रहे निर्माण कार्यो का भी निरीक्षण किया।

वार्ड की एक भी गली या सड़क नहीं रहेगी जर्जर: सुभाष

वार्ड संख्या 17 के पार्षद सुभाष तंवर ने बताया कि उनके वार्ड की एक भी गली कच्ची नहीं रहेगी। अधिकांश गलियों को पक्का करवा दिया गया है। जो कुछ बची है। उनको पक्का करवाए जाने की प्रक्रिया जारी है। उनके प्रस्ताव नगरपरिषद के पास भेजे हुए है। जल्द ही उनको भी पक्का करवाया जाएगा। उसके बाद वार्ड संख्या 17 के सौंदर्यकरण को पंख लग जाएंगे। इनके अलावा वार्ड की सीवर व पेयजल व्यवस्था को भी पटरी पर लाया जा रहा है। ताकि लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए दर दर न भटकना पड़े।

वार्ड 17 में चल रहे विकास कार्य की निर्माण सामग्री जांची

नगरपरिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि आज उन्होंने वार्ड संख्या 17 में चल रहे विकास कार्यो का निरीक्षण किया। निर्माण सामग्री की जांच की। साथ ही उनको निर्माण में अनियमितता न होने देने के निर्देश दिए है। शहर में चल रहे विकास कार्यो में किसी तरह की कोई कोताही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी। वे खुद तथा नगरपरिषद के अधिकारी भी निर्माण कार्यो का निरीक्षण कर रहे है। साथ ही जिस वार्ड में विकास कार्य चल रहे है। उस वार्ड के पार्षद भी निर्माण कार्यो का निरीक्षण कर रहे है। निर्माण कार्यो में प्रयोग होने वाली निर्माण सामग्री की गुणवता से कोई समझौता नहीं होगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। सेठ हरनाम दास राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहारी जाटू मविद्यार्थियों को संबोधित करते एक वक्ता।

सेठ हरनाम दास राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहारी जाटू में ग्यारहवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए प्राचार्य सत्यपाल की अध्यक्षता में काउंसलिंग सैशन रखा गया। स्कूल पास करने के बाद विद्यार्थियों को उनके बेहतर भविष्य के लिए सभी विषयों के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों को भविष्य की शिक्षा का चुनाव अपनी रुचि और दक्षता के अनुसार करना चाहिए। एकत्रित छात्रों को संबोधित करते हुए प्रवक्ता राजनीतिक विज्ञान समरवीर सिंह ने बच्चों को न्यायिक सेवा, प्रशासनिक सेवा, कॉलेज यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर, एनडीए, सीडीएस, एचएसएससी आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। खेलों में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को इस दिशा में प्रदत कोर्स में दाखिला लेकर बेहतर भविष्य बनाने के लिए सुझाव दिए गए। 12वीं में अच्छे अंक लेने वाले विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी में मिलने वाली छात्रवृत्ति वह अन्य सुविधाओं के बारे में बताया गया। हमारे नजदीक चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी यूनिवर्सिटी में काफी विभाग है जहां पर विद्यार्थी अपना कौशल बढ़ाने के लिए और रोजगार पाने के लिए दाखिला ले सकते हैं। यूनिवर्सिटी नजदीक होने के कारण विद्यार्थियों को फायदा उठाना चाहिए।

बाकू में एशियाई संसदीय सभा के अधिवेशन में शामिल होगा भारत : किरण चौधरी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भारत 17 फरवरी से 21 फरवरी, 2025 तक अज़रबैजान के बाकू में आयोजित होने वाले एशियाई संसदीय सभा के 15वें पूर्ण अधिवेशन में सक्रिय रूप से भाग लेगा। किरण चौधरी, सांसद, इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संसदीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। एशिया भर के विधानमंडलों से मिलकर बना , क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर सदस्य देशों के बीच संवाद और सहयोग के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करता है।

पूर्ण अधिवेशन में पूरे एशिया में क्षेत्रीय सहयोग, सतत विकास, आर्थिक विकास और शांति-निर्माण प्रयासों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। विभिन्न संसदीय प्रतिनिधिमंडल जलवायु परिवर्तन, व्यापार संबंध, सुरक्षा चिंताओं और डिजिटल परिवर्तन सहित महत्वपूर्ण चुनौतियों पर विचार-विमर्श करेंगे।

किरण चौधरी की भागीदारी संसदीय कूटनीति के माध्यम से क्षेत्रीय साझेदारी को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उनसे अंतर-संसदीय सहयोग बढ़ाने और महत्वपूर्ण क्षेत्रीय मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण की वकालत करने पर चर्चा करने की उम्मीद है।

जावा गांव के स्कूल को मिला सौंदर्यकरण प्रोत्साहन पुरुस्कार

चरखी दादरी। मुख्यमंत्री स्कूल सौन्दर्यकरण प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत गांव जावा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने खंड स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया है। प्राचार्य नरपाल यादव ने बताया कि विगत 12 फरवरी को एसडीएम आशीष सांगवान की अगुवाई में टीम ने क्षेत्र के अनेक विद्यालयों का निरिक्षण किया। इसके उपरांत स्कूल को खंड स्तर पर प्रथम घोषित किया गया। एसडीम व उनकी टीम ने सौन्दर्यकरण के साथ साथ विद्यालय में चल रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली। विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थियों, एसएमसी कमेटी की सराहना की।

गीतांजलि स्कूल में किया गया विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

चरखी दादरी। कलियाणा रोड़ पर स्थित गीतांजलि वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अनेक प्रकार के मनमोहक व ज्ञानवर्धक मॉडल बनाए। इस मॉडल प्रतियोगिता में 54 बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में छठी कक्षा से नौवीं कक्षा तक के बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता को दो ग्रुप में विभाजित किया गया। ग्रुप-ए में आठवीं और नौवीं के बच्चे और ग्रुप-बी में छठी और सातवीं के बच्चे शामिल रहे। सभी बच्चों ने अपने-अपने मॉडल का सही तरीके से वर्णन किया और अध्यापकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए। इस प्रतियोगिता में ग्रुप-ए से कक्षा नौवीं की निशिता प्रथम, कक्षा नौंवी से वंशिका प्रथम, कक्षा आठवीं से खुशी, चेतना, भव्या व शानवी द्वितीय तथा कक्षा आठवीं से ही सन्नी, गौरव, रितेश व लक्ष्य तृतीय स्थान पर रहे। ग्रुप-बी में कक्षा छठीं से सिद्धांत, हर्षित प्रथम, कक्षा सातवीं से विश्व व आदित्य प्रथम, कक्षा सातवीं से खुशी व वाणी द्वितीय, कक्षा छठीं से अंशिका व शिवानी द्वितीय, कक्षा सातवीं से हेमशिखा व निधि तृतीय तथा कक्षा छठीं से अंशिका व कोमल तृतीय स्थान पर रही। इस अवसर पर गीतांजलि शिक्षा समिति के प्रधान नवीन राणा, सचिव नवदीप सांगवान, प्राचार्या अनुप्रिया सांगवान और सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

कृषि क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं: मंत्री

- लोहारू के गांव गिग़नाउ में आयोजित दो दिवसीय बागवानी मेल को कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

लोहारू। कार्यक्रम में मंत्री श्याम सिंह राणा को सम्मानित करते हुए।

प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार किसान समर्पित सरकार है। कृषि क्षेत्र में रोजगार के अपार संभावनाएं हैं इसलिए बेरोजगारी को दूर करने के लिए कृषि अहम रोल अदा कर रही है। कृषि को बढावा देने के लिए और किसानों की आय बढाने के लिए नई-नई तकनीकी को अपना कर खेती की जा रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जहां भी खेती की नई तकनीक होगी, वह हरियाणा के किसानों को जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि जितनी ज्यादा मंडियां होंगी, किसानों को उतना ज्यादा फायदा होगा, इसीलिए हरियाणा में अंतरराष्ट्रीय स्तर की नई नई मंडियां बनाई जा रही हैं। उन्होंने मेले में आए किसानों का आह्वान किया कि वे परंपरागत खेती को छोड़कर फल फूल, बागवानी ,सब्जी उत्पादन पशुपालन, मछली पालन, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन आदि व्यवसाय अपना कर अपनी आय को दोगुना करें ताकि वे आत्मनिर्भर बने और उनका जीवन खुशहाल बने। कृषि मंत्री रविवार को गांव गिगनाऊ में आयोजित दो दिवसीय बागवानी मेले में किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान की पैदावार बढ़ाना ही सरकार का मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने किसानों से कहा कि गेहूं और कपास में एक आमदनी की एक लिमिट है, लेकिन फल, फूल और सब्जियों में आमदनी की कोई लिमिट नही है। उन्होंने कहा कि सरकार बागवानी को बढ़ावा देने के लिए सबसिडी दी जा रही है। किसान सबसिडी योजनाओं का फायदा उठाकर बागवानी करें। कृषि मंत्री ने कहा कि देश में करोनो काल में भी सब उद्योग धंधे फैल हो गए थे। परन्तु कृषि फैल नहीं हुई।

गिगनाऊ केंद्र दक्षिणी हरियाणा के शुष्क क्षेत्र फसलों को कवर करेगा

बागवानी विभाग के एचओडी स्पेशल डॉक्टर अर्जुन सिंह सैनी ने कहा कि गिगनाऊ केंद्र दक्षिणी हरियाणा के शुष्क क्षेत्र की फसलों मुख्य रूप से खजूर,अमरूद, बेर, स्ट्रॉबेरी की आपूर्ति करेगा और खुले क्षेत्र में सटीक खेती और संरक्षित खेती के साथ सब्जियों के अलावा एवोकैडो, अखरोट आदि की नई फसलों को कवर करेगा। यहां शुष्क भूमि बागवानी को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्तापूर्ण संकर सब्जियां और ग्राफ्टेड फलदार पौधो की आपूर्ति करने में सक्षम होगा। यहीं 17 प्रकार के अलग-अलग स्ट्रैक्चर बने है।

डीएवी शताब्दी पब्लिक विद्यालय में वार्षिकोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

डीएवी शताब्दी पब्लिक विद्यालय भिवानी के प्रांगण में वार्षिक उत्सव उड़ान-2025 वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि सांसद धर्मबीर सिंह ने शिरकत की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के वाइस चेयरमैन सत्यपाल आर्य ने की। विद्यालय परिवार ने कार्यक्रम को साकार रूप प्रदान करने के लिए उपस्थित गणमान्य जन जिनमें लोकल मैनिजिंग कमेटी के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता अविनाश सरदाना, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, दर्शन चन्द मिढ़ा, कर्मबीर यादव पार्षद, संदीप दुहन, नरेश गौतम संपरच कायला, पत्रकार सोमबीर शर्मा, राजेश जांगड़ा, अभिषेक, मनीष कुमार, नरेन्द्र, अंकित, हनुमान कौशिक आदि का विद्यालय परिवार ने माल्यार्पण द्वारा स्वागत व सत्कार किया। एनसीसी अधिकारी राजेश मुख ने बताया कि विद्यालय के कक्षा नर्सरी से लेकर नौवीं के छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिनमें हरियाणवी नृत्य, लघुनाटिका फोन का शिकार पूरा परिवार, माईम साईलैंस इको, नाटक एक नई सोच एक नया भारत-आर्यसमाज, रेट्रो रैपसोडी नृत्य प्रस्तुति, डीएवी सर्कस प्रस्तुति, योगा एवं नृत्य, स्वागत नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गई। मुख्य अतिथि सांसद धर्मबीर सिंह ने डीएवी संस्था की महत्ता और इसके मूल्यों की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि यहां बच्चों को यज्ञ करने का और माता-पिता की सेवा का संस्कार दिया जाता है। आज के युग में डीएवी जैसी संस्थाएं संस्कारों की शिक्षा प्रदान करती हैं।

ज्ञान के साथ-साथ हर बच्चे को मंच देना जिम्मेदारी: फौगाट

चरखी दादरी। एचडी स्कूल बिरोहड़ में जूनियर विंग कक्षा नर्सरी से तीसरी तक के वार्षिक उत्सव 'राइजिंग स्टार' का आयोजन बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की पूर्व छात्रा डॉ. तन्नू पंवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना और दीप प्रज्ज्वलित के साथ हुई। इसके बाद मंच पर नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें एकल गीत, समूह नृत्य, कविता वाचन आदि शामिल थे। बच्चों ने 'बम बम बोले', 'ऊँ साईं राम', 'टोकणी पीतल की', 'भोले बाबा दे दे नोट छापण की मशीन' ने तो तालियों के साथ धमाल मचा दिया।

लोगों को दिनभर ठंड का अहसास होता रहा

मौसम का बदला मिजाज, तीन डिग्री लुढ़का पारा

- पारा 29 डिग्री सेल्सियस से लुढक कर 26 डिग्री पर आया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। आसमान में छाए बादलों का दृश्य। फोटो: हरिभूमि

रविवार को अचानक मौसम में बदलाव आ गया। आसमान में काली घटाए छाई रही,लेकिन पूरे दिन आसमान से पानी नहीं बरसा। बादलवाई की वजह से पारा तीन डिग्री सेल्सियस लूढक गया। लोगों को दो दिन से बढ रही गर्मी से छुटकारा मिला। मौसम में थोड़ी से ठंडक बनी रही। जो कि फसलों के लिए फायदेमंद मानी जा रही है। रविवार को पारा 29 डिग्री सेल्सियस से लूढक कर 26 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। लोगों को दिनभर चुभने वाली गर्मी की बजाए ठंड का अहसास होता रहा। वहीं न्यूनत्तम तापमान में भी एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखी गई। सुबह सुबह जब लोग सोकर उठे तो उस वक्त आसमान में हलकी सी बादलवाई थी। उसके बाद सूर्यदेव के दर्शन हुए तो लोगों को लगा कि आज भी चटक धूप खिलेगी। कुछ देर तक मौसम में गर्मी सी बनी रही,लेकिन हवा के झौंका आने के बाद आसमान में बादलवाई हो गई। काले बादलों की वजह से लोगों को लगा कि बारिश होगी,लेकिन काली घटाए बिना बरसे ही आगे निकल गई। धीमी गति से हवा चलने तथा आसमान में काले बादल होने के चलते तीन डिग्री सेल्सियस पारा नीचे लूढक गया। पारा नीचे आने के बाद लोगों को ठंडक महसूस होने लगी। पूरे दिन कभी सूर्यदेव बादलों के बीच तो कभी उनको चिर कर चटक धूप खिली। बादलवाई की वजह से मौसम ज्यादा गर्म नहीं हुआ।

फसलों के लिए फायदेमंद है मौसम

रविवार को जो मौसम बना है। वह मौसम रबी फसलों के लिए फायदेमंद होती है। क्योंकि गेहूं व सरसों की फसलों के लिए ठंड बेहद जरूरी है। ठंड होने से सरसों की फसलों में पक रहा दाना जल्दी तैयार हो जाएगा। अगर तापमान में लगातार बढौतरी होगी तो सरसों के पौधों पर आए फूल की फली बनने से पहले ही जमीन पर गिर जाएगा और फली नहीं बन पाएगी। यही स्थिति गेहूं की बनी है। गेहूं के पौधों में फुटाव बन रहा है। अगर मौसम थोड़ा सा गर्म हो जाता है तो फुटाव वाला तना आगे नहीं बढ पाता और उसकी बढवार रूक जाएगी। साथ ही उस टहनी पर बालियां भी नहीं आएगी। जिसकी वजह से गेहूं की औसतन पैदावार में काफी कमी आएगी।